

126

Victor Pradella

Riff 1 (intro): **G C** (2x)

Eb | --3---3-3---3---3--- |  
Ab | ----- |  
Db | ---0h2-----0h2--- |  
Gb | -----0-2p0-----0-- |  
Bb | ----- |  
Eb | ----- |

Eb | --3---3-3-----3---3-- |  
Ab | ----- |  
Db | ---0h2-----0h4--- |  
Gb | -----0-4p2p0-----0- |  
Bb | ----- |  
Eb | ----- |

Eb | --3/8---8-8---8---8-- |  
Ab | ----- |  
Db | -----0h7-----0h7--- | (2X)  
Gb | -----0-7p0-----0- |  
Bb | ----- |  
Eb | ----- |

(OBS.: A pesar de estar meio tom abaixo, estou usando a cifra como se estivesse com a afinação normal, para facilitar o entendimento.)

G C  
Quando o Senhor restaurou nossa sorte  
G C  
Ficamos sim, como quem sonha  
(Riff 1)

G C  
Então nossa boca se,  
G C  
se encheu de riso e sorrisos  
G C  
Ouvi entre as nações

Se dizia  
G C  
Grandes coisas fez o Senhor por nós  
(Riff 1)

G C  
Restaura Senhor  
G C  
A nossa sorte

G C  
Aqueles que com lagrimas plantam  
(Riff 1)  
(A voz entra na segunda parte do riff)

C G  
Colherão cantando  
C G  
Voltarão cantando

Dedilhado durante a música:

Eb		--3-3--3--3--3--3--3--3-3/8	---	8--8--8--8--8--8--8--8	---	
Ab		-----	-----	-----	-----	
Db		---0--0--0--0--0--0--0--0	-----	10---	9-----7-----9-----	
Gb		-----0-----0-----0-----0	-----	0-----0-----0-----0	-----	
Bb		-----	-----	-----	-----	
Eb		-----	-----	-----	-----	